

जल परलै



bangani

जल परलै

bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani Language
Red level book (3)

परकाशण:-
NLCI
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें हमने जल प्रलय के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सके।



जौ परमेश्वरेइ दौरति दि नज़र लाइ ।
तै देखौ कि पाप बौरि बौड़ी गो ।
तैबै परमेश्वरेइ दौरति रौ नाश कौरनै
रै बारे दि सुँचौ ।



तेत्रा नूह नौऊं रौ एक दौरमि माणूछ
थौ। नूह सौदाइं परमेश्वर रै साथी-
साथ आँडै थौ। एक दूस परमेश्वरेइ
नूह आरि बोलौ।



आउं तिउं दौरति माइं कौइ खतम
कौरु। एज़ी बौज़ै कौइ तू एक गोपेर
लाकडै रौ एक बौड़ौ ज़ाज़ चाण। तू
औज़ि तेरौ पुरौ परिवार ज़ाज़ दि
डेइयौ।



सार्दै जानबर माइं कौइ ँक-ँक
जातिउं री जोड़ी बी गिणै । केलाकि
आउं दौरति दि चाळिश दूस जौउं
जौड़ लान्दु रौउ । औज़ि जल परलै
कौइ सार्दै जानबरुं खतम कौरु ।



तैबै नूहेइ जेशौ परमेश्वरेइ बोलौ
तेशौइ कियौ । तैबै नूहेइ लाकडै रौ
एक बौड़ौ ज़ाज़ चाणौ ।



औज़ि नूहेइ आपड़ौ परिवार ज़ाज़ दि
गिणौ। औज़ि सारी ज़ाति रै ज़ानबर
बी ज़ाज़ दि गिणै। तैबै परमेश्वरेइ
ज़ाज़ रौ दुवार बौन्द कियौ



तैबै दौरति दि चाळिश दूस ज़ौउं ज़ौड़
लागदु रौ। पाणि बौड़दु रौ औज़ि ज़ाज़
पाणि माइं तैरुन्दै लागौ। दौरति दि
पाणि एती बौड़ौ कि दौरति पुरी डुबी।



औज़ि ज़ेती बी ज़ीव-जानवर दौरति
दि थै, सै सारै मौरै। नूह औज़ि ज़ेती
ज़ाज़ दि थै, सै सारै बौचै। औज़ि
पाणि दौरति दि एक शौ पचाश दुसै
बासियै कम औन्दै लागौ। तै ज़ाज़
एक डान्डै माइं रुकौ।



नूहेइ एशौ देखणेखि एक कबुतर
उड़ियाओ कि दौरति दि पाणि औस्ति
कि ना नौथि। बियाळकै कबुतरेइ
चुंज़ी पोरु जैतुन रौ एक पाचु आणौ।
तैबै नूह कै पौतौ लागौ कि पाणि
दौरति माइं कौइ कम ऊइ गो।



तैबै परमेश्वरेइ नूह आरि बोलौ, तू
आपड़ै परिवार रै साथै सारै जानवरुं
बारै गाड़। औज़ि ज़ेत्ती बी ज़ाज़ दि
थै, सै सारै बारै आए। तैबै परमेश्वरेइ
तिउँकै आशिश देणि।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....

This book was created with Bloom Enterprise features freely enabled in order to support projects funded by the local community.

